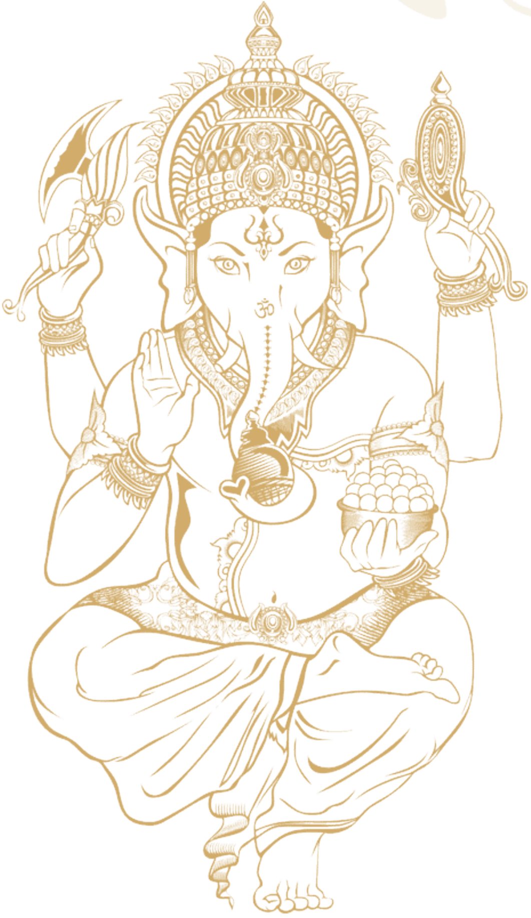

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching **Order No: 120604404**

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/06/1992	जन्म तिथि	20/10/1991
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 03:10:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 54:47:06	जन्म समय(घटी)	04:53:29 घटी
India	देश	India
Madwas	स्थान	Mumbai
24:05:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
81:47:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:52	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:15:09	सूर्योदय	06:34:20
18:52:18	सूर्यास्त	18:12:42
23:45:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:48

विंशोत्तरी		**अंश**	**राशि**		**ग्रह**		**राशि**	**अंश**	**विंशोत्तरी**	
शुक्र 7वर्ष 10मा 20दि		29:27:50	मेष		लग्न		तुला	21:19:21	**गुरु 14वर्ष 7मा 5दि**	
राहु		02:12:19	मिथु		सूर्य		तुला	02:27:31	**बुध**	
08/05/2023		21:24:28	धनु		चंद्र		कुंभ	21:10:05	**26/05/2025**	
07/05/2041		07:53:35	मेष		मंगल		तुला	08:29:37	**26/05/2042**	
राहु	18/01/2026	19:57:22	मिथु		बुध		तुला	13:25:24	बुध	22/10/2027
गुरु	12/06/2028	14:01:03	सिंह		गुरु		सिंह	13:43:11	केतु	18/10/2028
शनि	19/04/2031	03:05:07	मिथु		शुक्र		सिंह	16:39:07	शुक्र	19/08/2031
बुध	06/11/2033	24:25:55	मक	व	शनि		मक	06:38:04	सूर्य	25/06/2032
केतु	24/11/2034	06:54:06	धनु		राहु	व	धनु	19:37:39	चन्द्र	24/11/2033
शुक्र	24/11/2037	06:54:06	मिथु		केतु	व	मिथु	19:37:39	मंगल	21/11/2034
सूर्य	19/10/2038	23:05:54	धनु	व	हर्ष		धनु	16:29:18	राहु	10/06/2037
चन्द्र	19/04/2040	24:24:31	धनु	व	नेप		धनु	20:23:56	गुरु	16/09/2039
मंगल	07/05/2041	26:53:40	तुला	व	प्लूटो		तुला	25:35:45	शनि	26/05/2042

लग्न-चलित

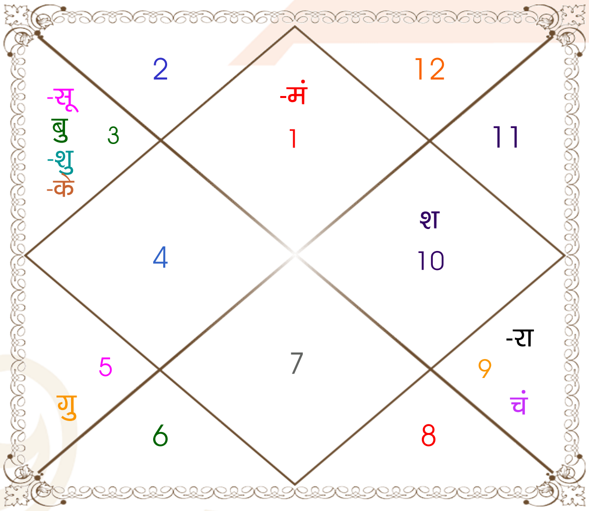

लग्न-चलित

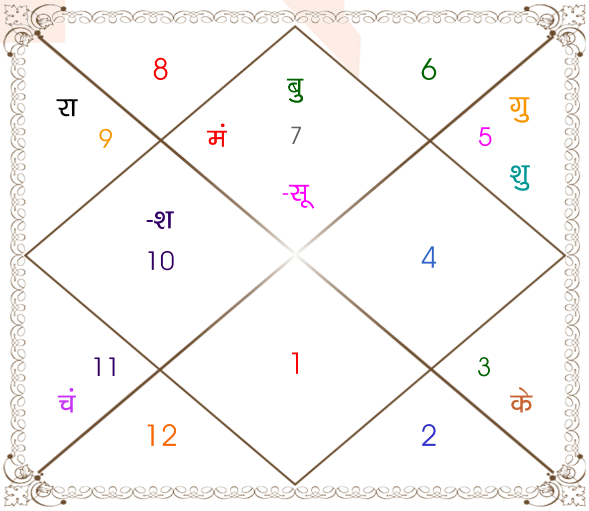

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता

है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।